

SEM-I -हिंदी के विद्यार्थियों का



डॉ.जशाभाई आपका
स्वागत करता है।

ਯ ਸ਼ੁਕ ਪ੍ਰ ਸ਼ੁ



सुभद्राकुमारी-परिचय

- *उनका जन्म नागपंचमी के दिन इलाहाबाद के निकट निहालपुर नामक गांव में
- *बाल्यकाल से ही वे कविताएँ रचना
- *राष्ट्रीयता की भावना से परिपूर्ण हैं।
- *उनके पिता ठाकुर रामनाथ सिंह शिक्षा के प्रेमी थे और उन्हीं की देख-रेख में उनकी प्रारम्भिक शिक्षा भी हुई। १९१९ में खंडवा के ठाकुर लक्ष्मण सिंह के साथ विवाह के बाद वे जबलपुर आ गई थीं।

सुभद्राकुमारी-परिचय

- *१९२१में गांधी जी के असहयोग आंदोलन में भाग लेने वाली वह प्रथम महिला थीं।
- *दो बार जेल भी गई थीं।
- *वे एक रचनाकार होने के साथ-साथ स्वाधीनता संग्राम की सेनानी भी थीं।
- *स्वाधीनता आंदोलन में उनके कविता के जरिए नेतृत्व को भी रेखांकित करती हैं।
- *फरवरी १९४८ को एक कार दुर्घटना में उनका आकस्मिक निधन हो गया था।

वीरों का कैसा हो वसंत/सुभद्राकुमारी

भारत के वीर

आम लोगों के लिए वसंत



वीरों का कैसा हो वसंत / सुभद्राकुमारी चौहान

आ रही हिमालय से पुकार
है उदधि गरजता बार बार
प्राची पश्चिम भ नभ अपार;
सब पूछ रहें हैं दिग-दिगन्त
वीरों का कैसा हो वसंत

फूली सरसों ने दिया रंग
मधु लेकर आ पहुंचा अनंग
वर्ध वसुधा पलकित अंग अंग;
है वीर देश मैं किन्तु कंत
वीरों का कैसा हो वसंत

उदधि-समुद्र
प्राची-पूरब
दिग-सब दिशाएँ
दिगन्त-क्षितिज

वीरों का कैसा हो वसंत / सुभद्राकुमारी चौहान

भर रही कोकिला इधर तान
मारू बाजे पर उधर गान
है रंग और रण का विधान;
मिलने को आए आदि अंत
वीरों का कैसा हो वसंत

गलबाहें हों या कृपाण
चलचितवन हो या धनुषबाण
हो रसविलास या दलितत्राण;
अब यही समस्या है दुरंत
वीरों का कैसा हो वसंत

मारू- युद्ध के समय
गाया बजाया जाने
वाला एक राग

कृपाण-कटार

दुरंत-बहुत गंभीर

वीरों का कैसा हो वसंत / सुभद्राकुमारी चौहान

कह दे अतीत अब मौन त्याग
लंके तुझमें क्यों लगी आग
ऐ कुरुक्षेत्र अब जाग जाग;
बतला अपने अनुभव अनंत
वीरों का कैसा हो वसंत

हल्दीघाटी के शिला खण्ड
ऐ दुर्ग सिंहगढ़ के प्रचंड
राणा ताना का कर घमंड;
दो जगा आज स्मृतियां ज्वलंत
वीरों का कैसा हो वसंत

हल्दीघाटी-राजस्थान का वह ऐतिहासिक स्थान है, जहाँ महाराणा प्रताप और अकबरके बीच असंख्य युद्ध हुए

हल्दीघाटी राजस्थान के उदयपुर ज़िले से 27मील दुर्ग सिंहगढ़-यह प्रसिद्ध क़िला महाराष्ट्र के प्रख्यात दुर्गों में से एक था। यह पूना से लगभग 17 मील दूर

वीरों का कैसा हो वसंत / सुभद्राकुमारी चौहान

भूषण अथवा कवि चंद नहीं
बिजली भर दे वह छन्द नहीं
है कलम बंधी स्वच्छंद नहीं;
फिर हमें बताए कौन हन्त
वीरों का कैसा हो वसंत

वीरों का कैसा हो वसंत / सुभद्राकुमारी चौहान



आभार सह धन्यवाद